जब एक और पुल के निर्माण से बिहार के और खासकर उत्तर बिहार के विकास का मार्ग खुल गया है, तो दूसरी ओर पटना नगर में यातायात की भीषण समस्या उत्पन्न हो गई है । ट्रकों, बसों, रिक्शों तथा दूसरी सवारियों के रेलपेल के चलते पटना शहर की संकरी सड़कों पर आम नागरिकों का चलना मुश्किल हो गया है । बहुधा रास्ता भी जाम हो जाता है, जिसे साफ करने में काफी समय लग जाता है । कहने का अर्थ कि पटने की सड़कों की जो क्षमता है, उससे कई गुना अधिक यातायात बढ़ गया है । इस समस्या पर पुल-निर्माण के समय ही विचार कर कोई योजना बनाने की आवश्यकता थी । पर इस महत्वपूर्ण सवाल पर विचार नहीं किया गया, वरना आज जैसी भयावह स्थिति उत्पन्न नहीं होती ।

अभी भी इस समस्या का निदान निकालने की आवश्यकता है । ऐसा किये बगैर पटने में यातायात की अराजकता को रोकना संभव नहीं होगा । इस लिए सरकार को नई सड़कों के निर्माण, पुरानी सड़कों को चौड़ा करने, ओवर फ्लाई बनाने, रेल की गुमटियों पर ऊपरी पक्का पुल बनाने, यातायात को सुचारु रूप से चलाने आदि की व्यवस्था सम्बन्धी कदम यथाशीघ्र उठाना होगा ।

परन्तु इतना बड़ा काम केवल राज्य सरकार से पूरा नहीं हो सकेगा । इसके लिए भारत सरकार को पूरी मदद करनी होगी, क्योंकि इन कामों को पूरा करने के लिए करोड़ों रुपये की आवश्यकता पड़ेगी । इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध होगा कि राज्य सरकार को पर्याप्त आर्थिक सहायता देकर पटना नगर में उपस्थित यातायात समस्या का समाधान निकाले ।

(vii) NEED FOR ADDITIONAL STEAMERS BETWEEN RAMESHWARAM AND COLOMBO AND NEW STEAMER SERVICE BETWEEN TUTICORIN AND COLOMBO.

*SHRI D. S. A. SIVAPRAKASAM (Tirunelveli): To-day, only one steamer "S. S. Ramanujam" is plying between Rameswaram in India and Talaimannar in Sri Lanka. During the past 50 years, this one and only steamer has been going between the two countries three times a week. The pubilc, as also the officials of the two countries feel that this is an inadequate transport facility; and that too is not functioning properly. Every year. the tourist traffic between the two countries is increasing. According to the statistics available to me, from 10,000 tourists in 1979, it weant up to 18,000 in 1980, and to 30,000 in 1981. Upto June 30, this year, the number of applicants has gone up to 40,000 for Visas. Since the tourist traffic has gone up by 200 per cent, the only steamer S.S. Ramanujam has been unable to manage this. The number of passengers wanting to travel by air is very much less.

It is easy to go direct to Colombo from Tuticorin in India. Presently, one has to go from Rameswaram to Talaimannar, and from there by train to Colombo. From India, 90 per cent of the tourists want to go to Colombo direct. There should be a direct steamer service from Tuticorin to Colombo, and the Government must arrange for this service forthwith. If any private shipper comes forward to run this service, he must be ecouraged by the Government.

As on date, under the Sirimavo-Shastri agreement, the steamer S. S. Ramanujam Colombo to Rameshwaram, than tourist's The foreign tourists coming to Sri Lanka are keen to visit India; and to facilitate are keen to visit India; and to facilitate them, there should be a direct service from Colombo to Tuticorin.

(viii) DEMAND FOR SETTING UP OF INDUSTRIES BY THE CENTRE AT JAUNPUR.

डा. ए यू आजमी (जौनपुर) : मिस्टर स्पीकर, सर, रूल 377 के तहत में सरकार की तवज्जुह अपने क्षेत्र जौनपुर की गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन की तरफ दिलाना चाहता हूं ।

विशाल भारत के कई पिछड़े प्रदेशों में उत्तर प्रदेश एक पिछड़ा प्रदेश है और उत्तर प्रदेश में पूर्वी उत्तर प्रदेश और भी पिछड़ा हुआ है । इस पूर्वी उत्तर प्रदेश में

*The Original Speech was delivered in Tamil.